31.1.2022 Paper III B.A part-I

भारत समान्य परिचय (India, General Introduction)

*पूर्वी तट रेखा (Eastern Coastline)

पूर्वी तट को दो भागों में विभक्त किया जाता है।

1. दक्षिण की ओर का भाग - कोरोमण्डल तट
2. उत्तर की ओर का भाग - काकीनाडा या उत्तर सरकार तट

1. कोरोमण्डल तट (Coromondal Coast →

दक्षिण की ओर के भाग को कोरोमण्डल तट कहा जाता है।

यह तट कुमारी अन्तरीप से लगाकार कृष्णा नदी के डेल्टा तक फैला है। इसे कर्नाटक तट भी कहा जाता है। यह विस्तृत कॉप मिट्टी का मैदान है। यह तट अधिकतर छिछला और बलुही है।

कच्चा टीवू, पाम्बन और श्री हरिकोटा यहाँ के प्रमुख द्वीप है।

इस तट पर मन्नार की खाड़ी, पाक जल-सन्धि एवम् आदम सेतु खाड़ियां है।

कन्याकुमारी, रामेश्वरम, धनुषकोडि, नागापट्टिम कारीकल पोर्टोनोवा कड्डालूर पांडिचेरी चेन्नई और पुतुचेरि यहाँ के प्रमुख बन्दरगाह है।

चेन्नई तट (Chennai Coast) → प्रवाल भित्तियाँ रहित उन्मग्न महाद्वीपीय तट का यह सुन्दर उदाहरण है। इस

तट पर पूर्व समुद्र के तल का असंगठित अवसाद मिला हुआ है परन्तु अधिकतर अवसाद पूर्व विकसित समुद्री कगारों की घिसावट और ढोलन से ही प्राप्त हुआ है। इन कगारों का क्रम लम्बे समय से होता रहा है, अब ये कगारें तट से कई किलोमीटर अन्दर तक पायी जाती हैं। यहाँ कगारों की रचना उस समय हुई प्रतीत होती है जबकि तट प्रवालभित्तियों से स्वतंत्र था। तट पर भित्तियों के अभाव के कारण रेतीली दीवारों की लम्बी श्रृंखला स्थापित हो गयी है जिनके बीच-बीच में डेल्टा बने हुए हैं। चेन्नई तट का सम्भवतः दूसरी बार उन्मज्जन हुआ है। फलतः वहाँ दूसरा तटीय मैदान बन गया और इसी कारण यह प्रवाल रचना रहित तट है।

(II.) काकीनाडा तट (उत्तर सरकार तट) (Kakinada Coast)

यह कृष्णा के डेल्टा से लेकर गंगा के डेल्टा तक फैला है। उत्तर की ओर बंगाल की खाड़ी के उत्तरी सिरे पर यह बहुत अधिक डेल्टाओं द्वारा घिरा हुआ है। यहाँ भयंकर लहरों के आक्रमण और सम्भावित निमज्जन के विपरीत भी नदियाँ डेल्टाओं का निर्माण करने में सफल हुई हैं। डेल्टाओं का विस्तार समुद्र में चौड़े निमग्न तट के ऊपर तक पाया जाता है।

इस तट पर भी प्रवाल रचनाओं का अभाव

मिलता है। इस तट पर अनेक नदियाँ पहाड़ी क्षेत्र से मिट्टी लाकर तट के निकट जमा कर देती है ; अतः समुद्र तट छिछला है।

इस तट पर काकीनाडा, विशाखापटनम, वालटेयर, मछलीपटनम, कलिंगापटनम, गोपालपुर, गंजाम, पुरी पारादीप हल्दिया और कोलकाता प्रमुख बंदरगाह है।

NEXT CLASS